Sir Arthur Conan Doyle's

SHERLOCK HOLMES
शरलॉक होम्स

THE ADVENTURE OF THE SPECKLED BAND
चित्तीदार पट्टी का साहसिक कारनामा

आशा श्रीवास्तव

Sir Arthur Conan Doyle's

Sherlock Holmes

शरलॉक होम्स

The Adventure of Speckled Band

चित्तीदार पट्टी का साहसिक कारनामा

हिंदी लेखन

आशा श्रीवास्तव

सह-लेखन और संपादन

आलोक श्रीवास्तव

सह-लेखन एवं कवर आर्ट

आदित्य श्रीवास्तव

THE ADVENTURE OF THE SPECKLED BAND

चित्तीदार पट्टी का साहसिक कारनामा

उन सत्तर विचित्र मामलों के खुद के लेखों पर नजर डालने पर जिनमें पिछले आठ सालों से मैंने अपने मित्र शरलॉक होम्स के जासूसी करने के तरीकों का अध्ययन किया था, मैंने कइयों को दुःखद, कुछ को हास्यास्पद, अनगिनतों को केवल विचित्र पाया, किन्तु कोई भी साधारण नहीं था; क्योंकि वह दौलत हासिल करने के लिए नहीं बल्कि अपने हुनर से प्रेम करने के कारण जासूसी करता था, वह स्वयं को किसी जांच, जो असाधारण और अद्भुत नहीं दिखाई देती थी, में शामिल करने से मना कर देता था। इन तमाम मामलों में, हालांकि, मुझे ऐसा एक भी मामला याद नहीं पड़ता है जो उतनी विशिष्टता लिए हुए हो जितना कि स्ट्रोक मोरैन के रॉयलॉट के सुप्रसिद्ध सर्री परिवार से जुड़ा मामला था। प्रश्नगत घटनायें, मेरे होम्स के साथ जुड़ने के शुरुआती दिनों में हुयी थीं, जब हम कुंवारों की तरह बेकर स्ट्रीट में कमरों को शेयर किया करते थे। हो सकता है कि उन घटनाओं को मैंने पहले ही अभिलेख में जोड़ लिया हो, किन्तु उस समय रहस्यों को बनाये रखने का वचन दिया गया था, जिससे मैं अभी पिछले माह ही उस महिला के असामयिक निधन के बाद मुक्त हुआ हूँ जिसे वचन दिया गया था। शायद अच्छा होगा कि अब तथ्य प्रकाश में आ जाने चाहिए; क्योंकि मैं उन कारणों को जानता हूँ कि क्यों, डॉक्टर ग्रिम्सबाई रॉयलॉट की मृत्यु के

बारे में दूर-दूर तक अफवाहें फैली हुयी हैं, जो मामले को हकीकत से ज्यादा भयावह बनाती हैं।

अप्रैल ’83 की शुरुआत में, एक सुबह जागने पर मैंने शरलॉक होम्स को अपने पलंग के किनारे पर पूरी तरह से तैयार खड़ा पाया। सामान्यतया, वह देर से जागने वाला था, और जब फायर-प्लेस[1] की ऊपरी ताक पर रखी हुयी घड़ी ने मुझे दिखाया कि अभी केवल सवा सात बजे थे, तो मैंने थोड़े आश्चर्य से और शायद थोड़े रोष से उसकी तरफ पलकें झपकाते हुए देखा; क्योंकि मैं खुद अपनी आदतों में नियमित था।

“तुम्हें जगाने का बहुत अफ़सोस है, वाटसन।” उसने कहा “किन्तु इस सुबह, ऐसा ही हो रहा है। पहले मिसेज हडसन को जगाया गया, प्रत्युत्तर में उन्होंने मुझे जगाया और मैंने तुम्हें जगा दिया।”

“तो, यह क्या है –कोई आग है?”

“नहीं, एक क्लाइंट है। ऐसा लगता है कि एक युवा महिला काफी उत्तेजित अवस्था में आई है, जो मुझसे मिलने की जिद कर रही है। इस समय वह बैठक में प्रतीक्षा कर रही है। अब, जब युवा महिलायें सुबह के इस समय महानगर में भटकें, और सोते हुए लोगों को उनके बिस्तरों से जगायें, तो मेरा अनुमान है कि कुछ बेहद ही महत्वपूर्ण बात होगी जिसे उन्हें कहना पड़ेगा। इसे एक रोचक मामला साबित होना चाहिये, मुझे विश्वास है कि तुम इसे शुरू से ही सुनना चाहोगे। (इसलिए) मैंने सोचा कि किसी भी कीमत पर मुझे तुम्हें उठाना चाहिए और (इसे सुनने का) मौका देना चाहिए।”

“मेरे प्यारे साथी, मैं इसे किसी भी कीमत पर नहीं गंवाऊँगा।”

---

[1] फायर-प्लेस (Fireplace) – भट्टी जहाँ आग तापी जाती है।

होम्स की व्यावसायिक जांचों में उसका अनुसरण करने में और शीघ्रता से निकाले गये उसके निष्कर्ष, जो उतने ही तेज होते जैसे कि अनुबोधक अंतर्दृष्टि, की प्रशंसा करने से ज्यादा प्रसन्नता मुझे किसी और बात में नहीं हुयी थी, आखिरकार ये निष्कर्ष सदैव तार्किक आधारों पर स्थापित होते थे, जिनसे वह उन समस्याओं को सुलझाता था जो उसके सामने रखी जाती थीं। मैंने शीघ्रता से अपने कपड़े उतारे और कुछ ही मिनटों में नीचे बैठक में अपने मित्र का साथ देने के लिए तैयार हो गया। काले कपड़े पहने और भारी घूंघट काढ़े एक महिला, जो खिड़की में बैठी हुयी थी, हमारे प्रवेश करते ही उठ गयी थी।

"गुड मोर्निंग, मैडम," होम्स ने प्रसन्नतापूर्वक कहा। "मेरा नाम शरलॉक होम्स है। यह मेरे अन्तरंग मित्र और सहयोगी - डॉक्टर वाटसन हैं, जिनके सामने तुम उतने ही उन्मुक्त ढंग से बातचीत कर सकती हो, जितना कि मेरे सामने। ओह! मुझे यह देखकर प्रसन्नता हुयी कि मिसेज हडसन की व्यवहारिक समझ काफी अच्छी है जो उन्हें आग जलाना याद रहा। कृपया इसके पास आ जाओ, और मैं तुम्हारे लिए एक कप गर्म कॉफ़ी मंगाता हूँ; क्योंकि मैं देखता हूँ कि तुम काँप रही हो।"

(होम्स के) निवेदन पर अपनी कुर्सी बदलते हुए, महिला ने धीमी आवाज में कहा, "यह ठंड नहीं है जो मुझे कंपाती है।"

"तब, क्या है?"

"यह भय है, मिस्टर होम्स, यह खौफ है।" कहते हुए उसने अपना नकाब उठा दिया, और हम देख सकते थे कि वह वास्तव में अकुलाहट की दयनीय दशा में थी, बेचैनी से, उसका चेहरा पूरा लटका हुआ और सफेद पड़ गया था, उसकी आँखें भयभीत थीं, जैसे किसी शिकार किये जाने वाले जानवर की होती हैं। उसका हुलिया वैसा था जैसा एक तीस वर्ष की औरत का होता है, किन्तु उसके बाल समय से पहले ही सफेद हो चुके थे, और उसके हाव-भाव में क्लांतता और थकान थी। शरलॉक होम्स ने उस पर अपनी त्वरित, एक झलक में सब कुछ ताड़ लेने वाली, नजर फेरी।

आगे झुककर उसकी बांह थपथपाते हुए सांत्वना भरे लहजे में उसने कहा “तुम्हें भयभीत नहीं होना चाहिए। मुझे कोई शक नहीं है कि हम जल्द ही सब कुछ ठीक कर देंगे। मुझे लगता है, कि तुम सुबह की ट्रेन से आई हो।”

“तब, आप मुझे जानते हैं?”

“नहीं, किन्तु तुम्हारे बाएं दस्ताने की हथेली में मैं वापसी की टिकट का आधा हिस्सा देखता हूँ। तुम बहुत ही तड़के निकली होगी और फिर स्टेशन पहुँचने से पहले तुमने बग्घी में लम्बे खराब रास्तों को तय किया था।”

महिला को एक जोर का झटका लगा और भौंचक्का होते हुए वह मेरे साथी को घूरने लगी।

“इसमें कोई रहस्य नहीं है, मेरी प्यारी मैडम!” उसने मुस्कराते हुए कहा। “तुम्हारी जैकेट की बायीं बांह पर कम से कम सात जगह पर कीचड़ के छींटे पड़े हैं। ये निशान पूर्णतया ताजे हैं। सिवाय बग्घी के अन्य कोई वाहन इस ढंग से कीचड़ नहीं फेंकता, और वह भी तब जब तुम चालक की बायीं तरफ बैठी हो।”

“आपके पास जो भी तर्क हों, आप बिल्कुल ठीक कह रहे हैं,” वह बोली। “मैं छह बजे से पहले ही घर से चली थी, बीस मिनट पश्चात लैदरहेड पहुंची थी और वाटरलू[2] के लिए आने वाली पहली ट्रेन से आई थी। सर! मैं यह तनाव और अधिक नहीं सहन कर सकती; यदि यह जारी रहता है तो मैं पागल हो जाऊँगी। मेरे पास कोई नहीं है जिससे मैं मदद ले सकूं – कोई भी नहीं, सिवाय एक व्यक्ति के, जो मेरी परवाह करता है, और वह बेचारा भी बहुत कम ही मेरी सहायता कर सकता है। मैंने आपके विषय में सुना है, मिस्टर होम्स! मैंने आपके बारे में मिसेज फैरीटॉश से सुना है, जिनकी आपने उस समय सहायता की जब उन्हें मदद की बेहद जरूरत थी। उन्हीं से

---

[2] लन्दन का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन

मुझे आपका पता मिला था। ओह, सर! क्या आपको नहीं लगता कि आप मेरी सहायता भी कर सकते हैं और उस गहन अँधेरे में, जिसने मुझे घेर रखा है, कम से कम थोड़ा प्रकाश डाल सकते हैं? इस समय आपकी सेवाओं के बदले में आपको कुछ दे पाना मेरे सामर्थ्य के बाहर है, किन्तु एक माह या छह सप्ताह में मेरा विवाह हो जाएगा और मेरा अपनी आय पर नियन्त्रण होगा और तब आप कम से कम मुझे कृतघ्न नहीं पायेंगे।"

होम्स अपनी डेस्क की तरफ मुड़ा और, इसे खोलकर उसमें से उसने एक छोटी केस-बुक निकाली, जिसे वह देखने लगा।

"फैरीटॉश," उसने कहा, "अरे हाँ, मुझे मामला याद आ गया। यह एक ओपल मुकुट से सम्बन्धित था। वाटसन, मैं सोचता हूँ यह घटना तुमसे मेरी मुलाकात होने से पहले घटी थी। मैडम, मैं केवल इतना ही कह सकता हूँ कि तुम्हारी मित्र के मामले में जितने समर्पण से मैंने काम किया था उतने ही समर्पण से मुझे तुम्हारे मामले में काम करने में ख़ुशी होगी। जहाँ तक पुरस्कार की बात है, तो मेरा व्यवसाय स्वयं में ही अपना पुरस्कार है; लेकिन जो कुछ खर्च इसमें मैं लगाऊँगा उसकी अदायगी जब तुम्हें जंचे तब तुम कर सकती हो। और अब मैं विनती करता हूँ कि तुम हमें हर वह बात बताओ, जो मामले में हमें अपनी राय कायम करने में सहायक हो सकती है।"

"ओह" हमारी अतिथि ने उत्तर दिया। "मेरी दशा का असली भय इस तथ्य में निहित है कि मेरी आशंकाएं बेहद अस्पष्ट हैं, और मेरे संदेह पूर्णतः छोटे बिन्दुओं पर निर्भर हैं, जो किसी अन्य को बहुत ही साधारण प्रतीत हो सकते हैं। इतने कि बाकी अन्य लोगों में जिस व्यक्ति को मैं मदद मांगने और परामर्श देने के लिए उपयुक्त मानती हूँ वह बाकियों की तरफ देखने लगता है मानो मैंने यह सब उसे एक नर्वस औरत की कल्पनाओं के रूप में बताया हो। वह ऐसा कहता तो नहीं है, लेकिन उसके सांत्वनापूर्ण जवाबों और फेरी हुयी आँखों से मैं यह पढ़ सकती हूँ। लेकिन मिस्टर होम्स, मैंने सुना है कि आप मानव हृदय की बहुविध दुष्टता को अंदर तक देख सकते

हैं। आप मुझे सलाह दे सकते हैं कि उन खतरों के बीच, जो मुझे घेरे हुए हैं, कैसे रहा जाए।"

"मैं पूरे ध्यान से सुन रहा हूँ, मैडम!"

"मेरा नाम हेलन स्टोनर है, और मैं अपने सौतेले पिता, जो इंग्लैंड में सबसे पुराने सेक्सन परिवारों, स्ट्रोक मोरैन के रॉयलॉटों, के अंतिम उत्तरजीवी हैं, के साथ सर्री की पश्चिमी सीमा पर रहती हूँ।"

होम्स ने सहमति में अपना सिर हिलाया। "मैंने यह नाम सुना है।" उसने कहा।

"एक समय यह परिवार इंग्लैंड में सबसे धनी परिवारों में आता था, और इसकी रियासतें उत्तर में बर्कशायर की सीमाओं तक, और पश्चिम में हैम्पशायर की सीमाओं तक फैली थीं। हालांकि, पिछली सदी में इसकी लगातार चार पीढ़ियां आवारा और फिजूलखर्च प्रवृत्ति की रही थीं, और आखिरकार रीजेंसी के दिनों में[3] एक जुआरी ने इस परिवार का नाश कर दिया। कुछ एकड़ जमीन और दो सौ साल पुराने मकान, जो खुद एक भारी बंधक होने के बोझ से दबा हुआ है, को छोड़कर कुछ नहीं बचा था। अंतिम जमींदार ने, एक राजसी भिक्षुक की तरह भयावह जिन्दगी जीते हुए, जैसे-तैसे वहां अपना जीवन गुजारा था, किन्तु उसके एकमात्र पुत्र मेरे सौतेले पिता ने देखा कि उसे नई परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढाल लेना चाहिए, उसने एक रिश्तेदार से कुछ अग्रिम राशि ली, जिससे उसने एक मेडिकल डिग्री हासिल की और कलकत्ता चला गया, वहां उसकी व्यावसायिक कुशलता और चारित्रिक बल से उसका व्यवसाय अच्छा जम गया था। हालांकि, गुस्से के दौरे में घर में हुयी किसी लूट के लिए दायी ठहराए जाने के लिए उसने अपने ही देश के खानसामा को पीटकर मार

---

[3] सन 1811-1820 तक का समय, जब इंग्लैंड में जॉर्ज IV, को उसके पागल पिता जॉर्ज III के स्थान पर प्रतिनिधि के रूप में शासन करने के लिए नियुक्त किया गया था। इस समयावधि को प्रतिनिधि शासन काल अथवा रीजेंसी काल के नाम से जाना जाता है।

डाला था और मृत्युदंड पाने से बाल-बाल बचा था। क्योंकि मौत हुयी थी, उसे एक लम्बा कारावास भुगतना पड़ा और बाद में वह चिड़चिड़ा और निराश होकर इंग्लैंड वापस लौट आया था।

"जब डॉक्टर रॉयलॉट भारत में था, उसने मेरी माँ मिसेज स्टोनर से शादी कर ली थी, जो बंगाल के तोपखाने में मेजर जनरल स्टोनर की युवा विधवा थी। मेरी बहन जूलिया और मैं जुड़वां थे, और हमारी माँ के पुनर्विवाह के समय हम मात्र दो वर्ष के थे। हमारी माँ के पास पर्याप्त धन था – जो सालाना एक हजार पौंड से कम न था – और जब हम डॉक्टर रॉयलॉट के साथ थे हमारी माँ ने अपनी पूरी सम्पत्ति, इस उपबन्ध के साथ कि हम दोनों बहनों को हमारी शादी होने की दशा में एक निश्चित सालाना रकम दी जायेगी, उसे वसीयत कर दी थी। हमारे इंग्लैंड लौटने के तुरंत बाद ही मेरी माँ मर गयी - 'क्रू' के समीप एक रेल दुर्घटना में आठ साल पहले उनकी मृत्यु हुयी थी। उसके बाद डॉक्टर रॉयलॉट ने लन्दन में प्रैक्टिस में खुद को जमाने की अपनी कोशिशों को त्याग दिया और उसके साथ जीवन बिताने के लिए हमें लेकर वह स्ट्रोक मोरैन के पुराने पारिवारिक मकान में आ गया। हमारी माँ ने जो धन छोड़ा था वह हमारी सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त था, और ऐसा लगता था कि हमारी खुशियों में कोई अवरोध न था।

"किन्तु इस समय तक हमारे सौतेले पिता के बर्ताव में काफी ज्यादा बदलाव आ गया था। दोस्त बनाने और हमारे पड़ोसियों, जो पहले पहल 'स्ट्रोक मोरैन' के एक रॉयलॉट को वापस अपनी पुरानी पारिवारिक गद्दी पर आया देखकर अति-प्रसन्न हुए थे, से मेलजोल करने की बजाय उसने खुद को अपने मकान में बंद कर लिया और कभी-कभार ही बाहर आता था ताकि उसका उसके रास्ते में पड़ने वाले किसी शख्स से उग्र झगड़ा न हो। स्वभाव की हिंसकता का पागलपन तक पहुंचना इस परिवार के पुरुषों में आनुवंशिक रहा है, और अपने सौतेले पिता के मामले में, मेरा यकीन है, उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में लम्बे समय तक उसके निवास करने के कारण यह और भी बढ़ गया था। बहुत सारी लज्जाप्रद लड़ाइयां हुयीं, जिनमें से दो का अंत

पुलिस न्यायालय में हुआ था, अंततः वह गाँव के लिए एक दहशत बन गया, और उसके समीप आते ही लोग बच निकलने लगे; क्योंकि वह अत्यधिक शक्तिशाली है, और क्रोध में पूर्णतया अनियंत्रणीय होता है।"

"पिछले सप्ताह उसने एक स्थानीय लोहार को एक मुंडेर से उठाकर जोर के साथ झरने में फेंक दिया था, और फिर उस सारे धन, जिसे मैंने इकट्ठा कर एकत्रित किया था, का भुगतान ही केवल एकमात्र जरिया था जिससे मैं एक अन्य लोक खुलासे को होने से टाल पायी थी। उन भटकते बंजारों को छोड़कर उसका कोई मित्र नहीं था, और उसने पारिवारिक भूसम्पत्ति की कंटीली झाड़ियों वाली कुछ एकड़ जमीनों पर इन खानाबदोशों को तम्बू लगाने की अनुमति दे दी थी, और बदले में उनके तम्बुओं में आतिथ्य, और कभी-कभार सप्ताह के अंत में उनके साथ घूमना-फिरना स्वीकार किया था। उसे भारतीय जानवरों का भी जबरदस्त शौक है, ये उसे एक प्रेषक द्वारा भेजे जाते हैं, और इस समय उसके पास एक चीता और एक बबून[4] है, ये जानवर उसकी जमीनों पर स्वच्छन्द विचरण करते हैं और इनसे गाँववाले लगभग उतने ही भयभीत रहते हैं जितना कि इनके मालिक से।

"मैंने जो कुछ कहा है उससे आप कल्पना कर सकते हैं कि मेरी बेचारी बहन जूलिया और मेरे जीवन में कोई ख़ुशी नहीं थी। कोई नौकर हमारे साथ न टिक सका, और घर के सारे कामों को काफी लम्बे अरसे तक हमने किया था। अपनी मौत के समय जूलिया केवल तीस साल की थी, और उसके बाल पहले से ही सफेद होने शुरू हो गये थे, जैसे मेरे हो गये हैं।"

"तो, तुम्हारी बहन मर चुकी है?"

"अभी दो साल पहले ही उसकी मृत्यु हुयी है, और यह उसकी मृत्यु ही है जिस वजह से मैं आपसे बात करना चाहती हूँ। आप समझ सकते हैं कि ऐसी जिन्दगी, जैसी

---

[4] एक बड़ा बन्दर जो अफ्रीका में पाया जाता है।

मैंने वर्णन की है, गुजारते हुए हमारे पास कम ही सम्भावना थी कि हम अपनी आयु और स्तर के किसी व्यक्ति से मिल सकते थे। तथापि हमारी एक मौसी थी, मेरी माँ की अविवाहित बहन, मिस ह्युनोरिया वैस्टहेल, जो 'हैरो' के समीप रहती हैं, और थोड़ी देर के लिए कभी-कभार हमें उनके घर जाने की अनुमति थी। दो साल पहले जूलिया क्रिसमस पर वहाँ गयी थी, और वहां नौसेना के एक 'हाफ-पे मेजर'[5] से मिली, जिससे उसकी सगाई कर दी गयी थी। जब मेरी बहन लौटी तो मेरे सौतेले पिता को इस सगाई का पता चला और उसने इस विवाह पर कोई आपत्ति नहीं जतायी, किन्तु शादी के लिए निर्धारित की गयी तिथि से पन्द्रह दिन के भीतर वह भयावह घटना घटी जिसने मुझसे मेरे एकमात्र साथी को भी छीन लिया।"

शरलॉक होम्स अपनी आँखें बंद किये और अपने सिर को तकिये में धंसाये अपनी कुर्सी में पीछे झुका हुआ था, फिर उसने अपनी पलकों को आधा खोला और अपने अतिथि की तरफ सरसरी नजर फेरी।

"कृपया विवरणों को यथातथ्य ही बताएं।" उसने कहा।

"ऐसा करना मेरे लिए आसान है; क्योंकि उस भयानक रात की प्रत्येक घटना मेरी यादों में छप गयी है। जैसा कि मैंने पहले बताया, वह विशाल कोठी बहुत पुरानी है, और अब उसका केवल एक हिस्सा रहने के लिए इस्तेमाल होता है। इस हिस्से में शयनकक्ष भूतल पर है, और बैठक के कमरे बिल्डिंग के केन्द्रीय भाग में हैं। इन शयनकक्षों में पहला डॉक्टर रॉयलॉट का है, दूसरा मेरी बहन का और तीसरा मेरा है। इन कमरों में आपस में कोई सम्पर्क नहीं है, लेकिन यह सभी एक ही गलियारे में खुलते हैं। क्या मैं अपनी बात स्पष्ट कह रही हूँ?"

"बिल्कुल सही तरीके से!"

---

[5] हाफ-पे मेजर (Half-pay major) – सेवानिवृत्ति के बाद आधे वेतन पर नियुक्त किया गया सेना का मेजर

"तीनों कमरों की खिड़कियाँ बाहर लॉन में खुलती हैं। उस हादसे वाली रात डॉक्टर रॉयलॉट जल्दी ही अपने कमरे में चला गया था, यद्यपि हम जानते थे कि वह इतनी जल्दी सोने के लिए नहीं गया था; क्योंकि भारतीय सिगारों, जिसे पीने की उसे आदत थी, की तेज गंध से मेरी बहन को परेशानी होती थी। अतः वह अपना कमरा छोड़कर मेरे कमरे में आ गयी, वहाँ वह कुछ देर बैठी थी (और) अपने होने वाले विवाह के बारे में बातें करने लगी। ग्यारह बजे वह मुझसे विदा लेने के लिए उठी, किन्तु दरवाजे पर जाकर वह रुकी और मुड़कर पीछे देखा।

" 'हेलेन, मुझे बताओ,' उसने कहा, 'क्या कभी तुमने रात के सन्नाटे में किसी को सीटी बजाते हुए सुना है?'

" 'कभी नहीं,' मैंने कहा।

" 'मैं सोचती हूँ कि कहीं नींद में, तुम खुद ही तो सीटी नहीं बजाती?'

" 'निश्चित तौर पर नहीं, परन्तु क्यों?'

" 'क्योंकि पिछली कुछ रातों से, मैंने हर बार सुबह के लगभग तीन बजे एक धीमी, स्पष्ट सीटी की आवाज सुनी है। मैं कच्ची नींद वाली हूँ, और इसने[6] मुझे जगाया है। मैं बता नहीं सकती कि यह कहाँ से आयी थी, सम्भवतः अगले कमरे से या सम्भवतः लॉन से। मैंने सोचा कि मैं तुमसे पूछूंगी कि क्या तुमने इसे सुना था।'

" 'नहीं, मैंने नहीं सुना। यह अवश्य ही खेत में रहने वाले वे अभागे बंजारे होंगे।'

" 'बहुत सम्भव है। परन्तु फिर भी यदि यह लॉन से आयी थी, तो मुझे आश्चर्य है कि तुमने इसे क्यों नहीं सुना था।'

" 'ओह, लेकिन तुम्हारी तुलना में मैं ज्यादा गहरी नींद में सोती हूँ।'

---

[6] सीटी की आवाज ने

“ ‘अच्छा, जो भी हो इसका कोई बड़ा परिणाम नहीं होगा,’ मुझे देखकर वह वापस मुसकुराई, दरवाजा बंद किया और कुछ क्षणों बाद मैंने, ताले में उसकी चाबी के घुमाये जाने का स्वर सुना।”

“वाकई, क्या तुम लोग रात में दरवाजे को सदैव अंदर से बंद कर लेते थे?” होम्स ने पूछा।

“सदैव।”

“और क्यों?”

“मैं सोचती हूँ मैंने आपको बताया था कि डॉक्टर ने एक चीता और एक बबून पाल रखा था। जब तक हम अपने दरवाजे बंद नहीं कर लेती थीं तब तक हमें सुरक्षा का अनुभव नहीं होता था।”

“ठीक है। कृपया अपने कथन को जारी रखते हुए आगे बताओ।”

“उस रात मैं सो न सकी। किसी आसन्न अनिष्ट का अस्पष्ट अहसास मुझ पर छाया हुआ था। आपको स्मरण होगा; मेरी बहन और मैं जुड़वां थे, और आप जानते हैं कि दो आत्मायें जो इतनी करीब जुड़ी हों उन्हें बाँधने वाला बंधन कितना सूक्ष्म होता है। यह एक सुनसान रात थी। तेज आवाज में हवा बाहर सांयसांय कर के बह रही थी और खिड़कियों पर बारिश के जोर से पड़ने और छप-छप कर पानी के छितराने की आवाजें आ रही थी। अचानक, तूफ़ान के इस सारे कोलाहल के बीच, एक भयभीत औरत की जोरदार चीख फूट पड़ी। मैं जानती थी यह मेरी बहन की आवाज थी। मैं अपने बिस्तर से उछल पड़ी, मैंने अपने चारों ओर शाल लपेटा और गलियारे की तरफ भागी। जैसे ही मैंने अपना दरवाजा खोला, मुझे एक धीमी सीटी का स्वर सुनाई दिया, जैसा मेरी बहन ने बताया था और कुछ क्षणों बाद एक खनखनाहट का स्वर सुनाई दिया मानो धातु का कोई ढेर गिरा रहा हो। जैसे ही दौड़कर मैं गलियारे में पहुंची, (तो देखा कि) मेरी बहन के कमरे का दरवाजा खुला हुआ था और धीरे-

धीरे अपने कब्जों पर झूल रहा था। भयभीत होते हुए मैंने इसे देखा, यह न जानते हुए कि इससे क्या घटित हुआ था। गलियारे के लैंप से आ रहे प्रकाश में मुझे अपनी बहन दरवाजे के मुहाने पर दिखाई दी, उसका चेहरा भय से सफेद था और उसके हाथ सहायता के लिए इधर-उधर टटोल रहे थे। वह यहाँ-वहां लहरा रही थी जैसे कोई शराबी हो। मैं उसकी तरफ भागी और उसे अपनी बांहों में ले लिया, किन्तु उसी क्षण उसके घुटने उसका साथ छोड़ते दिखाई दिये और वह जमीन पर गिर पड़ी। वह इस प्रकार से अकड़ गयी थी जैसे कोई भयंकर पीड़ा में होता है, और उसके अंग बुरी तरह से ऐंठ गये थे। पहले मैंने सोचा कि वह मुझे पहचान नहीं पायी थी, किन्तु जैसे ही मैं उस पर झुकी वह अचानक ही ऐसे स्वर में चीख कर बोली थी, जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी, 'हे ईश्वर! हेलेन! यह एक पट्टी थी। चित्तीदार पट्टी!' कोई ख़ास बात भी थी जिसे वह कहना चाहती थी, और उसने अपनी अंगुली से हवा में डॉक्टर के कमरे की तरफ इशारा किया, किन्तु तुरंत ही आई एक ऐंठन ने उसे अपने अधिकार में ले लिया और उसके शब्द गले में ही अटके रह गये। मैं अपने सौतेले पिता को मदद के लिए जोर से पुकारती हुयी बाहर भागी, और वह अपने ड्रेसिंग गाउन में, हड़बड़ी के साथ अपने कमरे से निकलता हुआ मुझसे मिला। जब वह मेरी बहन के समीप पहुंचा तो वह अचेत थी, हालांकि उसने उसके गले में ब्रांडी उड़ेली और गाँव से चिकित्सकीय सहायता मंगाने के लिए भेजा, (किन्तु) सारे प्रयास व्यर्थ थे; क्योंकि उसकी नब्ज धीरे-धीरे डूब गयी और अचेतावस्था से उबरे बिना ही वह मर गयी। मेरी प्यारी बहन का ऐसा भयानक अंत हुआ था।"

"एक मिनट" होम्स ने कहा, "क्या तुम इस सीटी और धातु के स्वर के सुनाई देने के बारे में पूरी तरह से आश्वस्त हो? क्या तुम इसे शपथ लेकर कह सकती हो?"

“यह वही प्रश्न था जिसे कांउटी[7] कॉरोनर[8] ने मुझसे पड़ताल के समय पूछा था। मुझे पूर्ण विश्वास है कि मैंने इसे सुना था, परन्तु फिर भी, तूफ़ान के अकस्मात आने और पुराने मकान की चरमराहट के बीच, सम्भव है कि मुझे धोखा हुआ हो।”

“क्या तुम्हारी बहन औपचारिक परिधान में थी?”

“नहीं, वह अपने रात के परिधान में थी। उसके दायें हाथ में माचिस की जली हुयी तीली थी और बाएं में एक माचिस की डिब्बी।”

“यह दर्शाता है कि जब खतरे का संकेत मिला, तो उसने प्रकाश किया और इर्दगिर्द देखा था। यह महत्वपूर्ण बात है। और उस कॉरोनर ने क्या निष्कर्ष निकाला था?”

“उसने मामले की बड़ी सावधानी से जांच-पड़ताल की थी; क्योंकि डॉक्टर रॉयलॉट का बर्ताव जिले में काफी पहले से ही कुख्यात हो चुका था, किन्तु मृत्यु की वजह का वह कोई संतोषजनक कारण न खोज सका। मेरे साक्ष्य दर्शाते थे कि दरवाजे को अंदर से कुण्डी लगाई गयी थी और खिड़कियां, लोहे की चौड़ी पट्टियों वाले पुराने-जमाने के कपाटों द्वारा बंद की गयी थीं, जिन्हें हर रात बंद कर दिया जाता था। दीवारों को बजाकर सावधानी से (कान लगाकर) सुना गया था, और वे हर तरफ से काफी ठोस पायी गयी थीं। फर्श का भी गहनता से मुआयना किया गया था, किन्तु वही परिणाम निकला। चिमनी चौड़ी है, किन्तु ऊपर लगी चार बड़ी सलाखों से अवरुद्ध है। अतः यह निश्चित है, कि जब मेरी बहन की मौत हुयी वह बिल्कुल अकेली थी। इसके अतिरिक्त, किसी बलप्रयोग के किये जाने का कोई निशान उसके ऊपर नहीं था।”

---

[7] कांउटी (County)–जिला

[8] कॉरोनर(Coroner) – मृत्यु के कारणों की जांच करने वाला अधिकारी

“जहर के बारे में क्या विचार है?”

“डॉक्टरों ने इसके लिए उसका परीक्षण किया था, किन्तु (उन्हें) कोई सफलता नहीं मिली।”

“तब, इस बदनसीब औरत की मौत के कारण के बारे में तुम क्या सोचती हो?”

“मेरा विश्वास है कि वह पूरी तरह से, भय और मानसिक सदमे के कारण मरी। हालांकि मैं कल्पना नहीं कर सकती वह क्या था जिसने उसे भयभीत किया था।”

“क्या बंजारे उस समय खेत में ही थे?”

“हाँ, करीब-करीब हमेशा ही कुछ (बंजारे) वहां होते हैं।”

“आह, और चित्तीदार पट्टी – इस पट्टी के जिक्र से तुमने क्या निष्कर्ष निकाला था?”

“कभी मुझे लगता है कि यह केवल, विक्षिप्तता की दशा में कही गयी, एक बहकी हुयी बात थी, कभी लगता है कि यह संभवतः खेत में रहने वाले बंजारों के समूह से संदर्भित कोई पट्टी है। कहीं ये वह चित्तीदार रुमाल तो नहीं हैं जिसे उन बंजारों में से कई अपने सिरों पर बांधते हैं मैं नहीं जानती कि किस विचित्र आशय से उसने इसका जिक्र किया था।”

होम्स ने एक ऐसे व्यक्ति की भांति अपने सिर को हिलाया जो संतुष्ट न हुआ हो।

“ये बातें काफी उलझी हुयी हैं।” उसने कहा, “तुम अपना व्याख्यान जारी रखो।”

“तब से इस बात को दो वर्ष बीत चुके हैं, और अभी कुछ समय पहले तक मेरा जीवन इतना एकाकी रहा है, जितना पहले कभी नहीं था। हालांकि, एक माह पहले मेरे एक प्रिय मित्र, जिससे मैं वर्षों से परिचित हूँ, ने विवाह के लिए मेरा हाथ माँगकर

मुझे सम्मानित किया है। उसका नाम आर्मिटेज है – पर्सी आर्मिटेज- रीडिंग के समीप, क्रेन वाटर के मिस्टर री आर्मिटेज का दूसरा लड़का। मेरे सौतेले पिता ने इस विवाह के विरुद्ध कोई आपत्ति नहीं जताई है, और हम बसंत के दौरान में विवाह करने वाले हैं। दो दिन पहले बिल्डिंग के पश्चिमी हिस्से में मरम्मत का कुछ काम शुरू किया गया था, और मेरे शयनकक्ष की दीवार को तोड़ दिया गया, जिस वजह से मुझे उस कमरे में स्थानांतरित होना पड़ा, जिसमें मेरी बहन मरी थी, और उसी पलंग पर सोना पड़ा जिस पर वह सोती थी। तब, (आप) मेरे भय के रोमांच की कल्पना करें जब बीती रात, जागते हुए (बिस्तर पर) लेटी मैं उसके भयानक अंत के बारे में सोच रही थी, तभी रात के सन्नाटे में अचानक मैंने धीमी सीटी की आवाज सुनी जो उसकी खुद की मौत की अग्रदूत थी। मैं उछलकर खड़ी हो गयी और मैंने लैंप जलाया, लेकिन कमरे में कुछ भी नहीं दिखाई दिया था। मैं दुबारा पलंग पर जाने में बुरी तरह से भयभीत हो गयी थी, जैसे-तैसे मैं तैयार हुयी और ज्यों ही दिन का प्रकाश हुआ, मैंने खुद को सामान्य किया और पीछे स्थित 'क्राउन' सराय के समीप से एक बग्घी पकड़ी और 'लैदरहेड' के लिए चल पड़ी, वहां से आज सुबह ही मैं आपसे मिलने और परामर्श लेने के एकमात्र उद्देश्य से आयी हूँ।"

"तुमने बुद्धिमानी से काम लिया है," मेरे मित्र ने कहा, "किन्तु क्या तुम मुझे सारी बात बता चुकी हो?"

"हाँ, सबकुछ!"

"मिस रॉयलॉट, तुमने सबकुछ नहीं बताया। तुम अपने सौतेले पिता को छिपा रही हो।"

"क्यों, आपका क्या तात्पर्य है?"

जवाब में होम्स ने हमारे आगन्तुक के घुटने पर रखे हाथ पर के काले कपड़े की झालर की किनारी को ऊपर सरकाया। उसकी गोरी कलाई पर, एक अंगूठे और चार अंगुलियों के, पाँच नीले निशान थे।

"तुम्हारे साथ क्रूरता बरती गयी है।" होम्स ने कहा।

वह महिला लज्जा से लाल हो गयी और उसने अपनी घायल कलाई छिपा ली। "वह एक कठोर आदमी है।," वह बोली, "और शायद मुश्किल से ही वह अपनी शक्ति के विषय में जानता है।"

एक लम्बी चुप्पी छा गयी, जिसके दौरान होम्स ने अपनी ठोड़ी अपने हाथों पर टिका ली और चटचटाती हुयी आग में घूरता रहा था।

"यह बहुत गम्भीर मामला है।," अंततः उसने कहा, "अपनी कार्यप्रणाली निर्धारित करने से पहले हजारों बातें जानने की मुझमें भूख होगी, किन्तु गंवाने के लिए हमारे पास एक क्षण भी नहीं है। यदि हम आज स्ट्रोक मोरैन आते हैं, तो तुम्हारे सौतेले पिता की जानकारी में आये बिना क्या हमारे लिए यह सम्भव होगा कि हम उन कमरों को देख सकें?"

"जैसे कि यह घटित हुआ है, उसने किसी अत्यावश्यक कार्य से आज शहर में आने की बात कही थी। सम्भावित है कि वह पूरे दिन बाहर ही रहे, और वहां आपको व्यवधान डालने के लिए कोई नहीं होगा। इस समय घर पर एक आया[9] है, किन्तु वह बूढ़ी और मूर्ख है, और मैं आसानी से उसे रास्ते से हटा सकती हूँ।"

"बहुत बढ़िया! वाटसन, तुम इस यात्रा के लिए अनिच्छुक तो नहीं?"

"बिलकुल नहीं।"

---

[9] आया- नौकरानी

“तब हम दोनों आयेंगे। तुम स्वयं क्या करने जा रही हो?”

“चूंकि अब मैं शहर में हूँ, तो एक-दो काम ऐसे हैं जिन्हें मैं पूरा करना चाहूंगी। किन्तु बारह बजे से पहले ही ट्रेन से लौट जाऊँगी, ताकि आपके आने तक समय से वहां पहुँच जाऊं।”

“और दोपहर होने से पहले ही तुम हमारे पहुँचने की आशा कर सकती हो। मुझे स्वयं भी कुछ छोटे-मोटे कामों को निपटाना है। क्या तुम रुकोगी नहीं और नाश्ता नहीं करोगी?”

“नहीं, मुझे चलना चाहिए। चूंकि मैंने आपको अपना कष्ट बता दिया है मेरा मन पहले से काफी हल्का हो गया है। इस दोपहर आपसे पुनः मिलने की मैं उम्मीद करूंगी।” अपने भारी काले घूँघट को उसने पुनः अपने चेहरे पर डाला और कमरे से निकल गयी।

“वाटसन! इस पूरे मामले के बारे में तुम क्या सोचते हो?” अपनी कुर्सी में पीछे झुकते हुए होम्स ने पूछा।

“यह मुझे एक बेहद ही रहस्यमय और दुष्टतापूर्ण मामला लगता है।”

“पर्याप्त रूप से रहस्यमय और पर्याप्त रूप से दुष्टतापूर्ण।”

“फिर यदि वह महिला सही कह रही है कि दीवारें और फर्श अच्छी स्थिति में हैं, और यह कि दरवाजे, खिड़की तथा चिमनी अगम्य हैं, तो उसकी बहन निस्संदेह उस समय अकेली थी जब वह अपने रहस्यमय अंत को प्राप्त हुयी थी।”

“तो फिर रात की इन सीटियों की आवाज और उस मरती औरत के उन अति विशिष्ट शब्दों, का क्या (अर्थ है)?”

“मैं सोच नहीं सकता।”

"जब तुम रात की सीटियों और इस बूढ़े डॉक्टर से घनिष्ठता रखने वाले इन बंजारों के समूह की उपस्थिति को संयुक्त रूप से देखते हो, तब हमारे पास इस तथ्य पर विश्वास करने का प्रत्येक कारण है कि डॉक्टर अपनी सौतेली पुत्री का विवाह रोकने में हित रखता है। मरते समय पट्टी का उल्लेख करना, और अंततः यह तथ्य कि मिस हेलेन स्टोनर ने एक धातु की खनखनाहट सुनी थी, जो सम्भवतः उन धातु की छड़ों में से एक के गिरने के कारण हुयी थी जो कपाटों के वापस उनके अपने स्थान से गिरने से रोकने के लिए लगाई गयी थी। मैं समझता हूँ कि (हमारे पास) यह सोचने के लिए अच्छा आधार है कि उन पंक्तियों के समीप ही यह रहस्य सुलझ सकता है।"

"लेकिन, तब, बंजारों ने क्या किया था?"

"मैं कल्पना नहीं कर सकता।"

"ऐसी किसी धारणा में, मैं कई आपत्तियां देखता हूँ।"

"और मुझे भी ऐसा लगता है। ठीक इसी वजह से हम आज स्ट्रोक मोरैन जा रहे हैं। मैं देखना चाहता हूँ कि आपत्तियां घातक हैं, या फिर वे समझकर सुलझायी जा सकती हैं। लेकिन शैतान के वास्ते क्या कहा जाए!"

तथ्य के आधार पर मेरे साथी ने अपनी बात रखी ही थी कि अचानक ही हमारा दरवाजा तेजी से आवाज करते हुए खुला, और यह कि एक विशालकाय आदमी दरवाजे के छिद्र से दाखिल हुआ था। उसकी वेशभूषा एक व्यवसायी और एक कृषक का विशिष्ट मिश्रण थी, उसने एक काली टॉप-हैट, एक फ्रॉक कोट और एक जोड़ी गैटर[10] पहनी हुयी थी, और उसके हाथ में 'हंटिंग-क्रॉप' लहरा रही थी। वह इतना लम्बा था कि वस्तुतः उसकी हैट दरवाजे की ऊपरी छड़ को स्पर्श कर गयी थी, और

[10] घुटनों तक पहने जाने वाले जूते जिनमें किनारे की तरफ इलास्टिक के नुकीले सींग बने होते हैं; उदाहरण के लिए जैसे कॉमिक पात्र बैटमैन के जूते होते हैं।

उसकी चौड़ाई इतनी प्रतीत हुयी थी मानो वह दरवाजे के दोनों सिरों को छू रहा हो। एक लम्बा चेहरा, जिस पर सूर्य से झुलस कर पीली पड़ गयी हजारों झुर्रियां थीं और जिस पर शैतानियत का हर मनोभाव इंगित होता था, हममें से एक से दूसरी तरफ बढ़ा था, इस दौरान उसकी धंसी हुयी, गुस्से से भरी आँखें और उसकी ऊँची, पतली, मांस रहित नाक, उसे कुछ हद तक एक क्रुद्ध बूढ़ी शिकारी चिड़िया के सदृश बना रही थी।

"तुममें से होम्स कौन है?" इस विचित्र शख्स ने पूछा।

"मेरा नाम है, सर; लेकिन आपको मेरा फायदा मिलेगा।" मेरे साथी ने शांतिपूर्वक कहा।

"मैं स्ट्रोक मोरैन का डॉक्टर ग्रिम्सबाई रॉयलॉट हूँ।"

"वास्तव में, डॉक्टर!" होम्स ने नीरस ढंग से कहा। "कृपया स्थान ग्रहण करें।"

"मैं ऐसा कुछ नहीं करूंगा। मेरी सौतेली पुत्री यहाँ आई है। मैंने उसका पीछा किया है। उसने तुमसे क्या बात कही है?"

"वर्ष के इस समय के हिसाब से थोड़ी सर्दी है," होम्स ने कहा।

"उसने तुमसे क्या बात कही है?" बूढा व्यक्ति कुपित होते हुए चीखा।

"किन्तु मैंने सुना है इससे 'क्रोकस'[11] की फसल के अच्छा होने की प्रत्याशा है।" अविचलित होते हुए मेरे साथी ने अपनी बात जारी रखी।

"अच्छा! तुम मुझे टाल रहे हो, क्या?" हमारे नये आगन्तुक ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए और 'हंटिंग-क्रॉप' को घुमाते हुए कहा, "मैं तुम्हें जानता हूँ, बदमाश! मैंने तुम्हारे बारे में पहले से सुन रखा है। तुम काम में टाँग अड़ाने वाले, होम्स हो।"

---

[11] क्रोकस(Crocus) –बसंत ऋतु में होने वाला पीले-सफेद बैंगनी फूलों का एक पौधा

मेरा मित्र मुसकुराया।

“काम में टाँग अड़ाने वाले, होम्स!”

उसकी मुस्कान चौड़ी हो गयी।

“होम्स, स्कॉटलैंड यार्ड जैक-इन-ऑफिस[12]!”

होम्स पूरी तरह से खिलखिला कर हंसा। “तुम्हारी बातचीत बड़ी ही मनोरंजक है।” उसने कहा, “जब तुम बाहर जाओ तो दरवाजा बंद करते जाना, क्योंकि पहले से ही तेज हवा चल रही है।”

“मैं तब जाऊँगा जब मैं अपनी बात कह लूँगा। मेरे मामले में टाँग अड़ाने की हिम्मत न करना। मैं जानता हूँ कि मिस स्टोनर यहाँ आई थी, मैंने उसका पीछा किया था! चंगुल में फंसने के लिए, मैं एक खतरनाक आदमी हूँ[13]। यहाँ देखो!” वह तेजी से आगे आया, (उसने) कुरेदनी को कब्जे में लिया, और अपने विशाल भूरे हाथों से इसे वक्राकार मोड़ दिया।

“इसे देखकर तुम खुद को मेरी पकड़ से दूर ही रखो,” वह गुर्राया, और मुड़ी हुयी कुरेदनी को ‘फायर-प्लेस’ में फेंकते हुए, वह लम्बे कदम भरता हुआ कमरे के बाहर चला गया।

“वह बहुत ही मिलनसार आदमी प्रतीत होता है।” होम्स ने हंसते हुए कहा। “मैं उतना भारी-भरकम तो नहीं, किन्तु यदि वह रुकता, तो मैं उसे दिखा देता कि मेरी पकड़ भी उससे कमजोर नहीं।” कहते हुए उसने इस्पात की कुरेदनी उठाई और एक झटके के प्रयास से इसे पुनः सीधा कर दिया।

---

[12] जैक-इन-ऑफिस(Jack-in-office) – अप्राधिकृत अधिकारी

[13] अर्थात मुझसे उलझकर तुम मुसीबत मोल लोगे।

“उसकी धृष्टता तो देखो मुझ जैसे अधिकृत जासूस को बर्बाद करने की कल्पना करता है! यह घटना हमारी जांच के प्रति (हमारे) उत्साह को बढ़ाती है, फिर भी, मैं केवल यह विश्वास करता हूँ कि हमारी नन्ही दोस्त अपनी विवेकहीनता के कारण इस क्रूर व्यक्ति से अपना पीछा कराकर कष्ट नहीं उठाएगी। और अब, वाटसन! हम नाश्ते का आदेश देंगे, और इसके बाद मैं डॉक्टर्स-कॉमनस्[14] जाऊँगा, जहाँ कुछ जानकारियाँ हासिल होने की मैं आशा करता हूँ जो इस मामले में हमारी सहायता कर सकती हैं।”

लगभग एक बज रहा था, जब शरलॉक होम्स अपनी सैर से लौटा। उसके हाथ में नीले कागज की एक शीट थी, जिस पर अव्यवस्थित तरीके से आँकड़े और ब्यौरे लिखे थे।

“मैंने (उसकी) मृत पत्नी की वसीयत देखी है।” उसने कहा। “इसका सटीक अर्थ निर्धारित करने के लिए मुझे इससे सम्बन्धित निवेशों के वर्तमान मूल्यों के विषय में हिसाब-किताब तैयार करना पड़ा। पत्नी की मृत्यु के समय कुल आय कम ही, लगभग 1100 पौंड थी, जो अब कृषि मूल्यों में गिरावट के कारण 750 पौंड से अधिक नहीं है। विवाह होने की स्थिति में हर पुत्री 250 पौंड की आय का दावा कर सकती है। अतः यह स्पष्ट है कि यदि दोनों पुत्रियाँ विवाह कर चुकी होतीं, तो यह फायदा केवल अल्पांश ही रह गया होता, जबकि उनमें से कोई एक ही उसकी स्थिति को बहुत बुरी तरह से काफी मात्रा में प्रभावित कर सकती थी। मेरी सुबह की मेहनत व्यर्थ नहीं गयी; क्योंकि यह साबित हो गया है कि उसके पास बहुत ही मजबूत प्रयोजन हैं जो (आय के बाकी दावेदारों की) कुछ भी करके छटनी करने की बात को बल देते हैं। और अब, वाटसन! समय बर्बाद करना बहुत ही गम्भीर होगा, खासकर तब जब बूढा व्यक्ति सचेत हो गया है कि हम खुद ही उसके मामले में रुचि ले रहे हैं। अतः यदि तुम तैयार हो, तो हम एक बग्घी बुलायेंगे और वाटरलू चलेंगे। मैं बहुत ही

---

[14] लन्दन में सिविल विधि के डॉक्टरों का कॉलेज, जहाँ बैठक के लिए एक डाइनिंग हाल और कॉमन टेबल है।

आभारी होऊंगा यदि तुम अपनी रिवाल्वर अपनी जेब में डालकर ले चलो। एली नम्बर 2[15] स्टील की कुरेदनी में गाँठ लगा सकने वाले इस सज्जन के लिए एक बहुत ही बढ़िया जवाब है। मैं सोचता हूँ, इसे[16] और एक टूथ-ब्रश को ले चलना ही हमारे लिए काफी होगा।"

वाटरलू पर लैदरहेड के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए हम भाग्यशाली रहे, जहाँ हमने स्टेशन की सराय में एक दोपहिया गाड़ी भाड़े पर ली और खूबसूरत 'सर्री लेनस्' से होते हुए चार या पाँच मील तक की सवारी की। यह सुहावना दिन था, सूर्य चमकदार था और कुछ मुलायम ऊनी बादल आसमान में थे। पेड़ों और रास्ते के किनारों पर बने बाड़े अपनी नवोदित पत्तियों को बाहर की तरफ फेंके हुए लगते थे, और नम मिट्टी की सुहावनी सुगंध से हवा ओतप्रोत थी। कम से कम मेरे लिए यह सुहावने बसंत के आगमन और इस अमंगलकारी जांच, जिसमें हमें लगाया गया था, के बीच एक विचित्र विरोधाभास था। दोपहिया गाड़ी के अगले हिस्से में बैठा मेरा साथी, जिसकी बाहें बंधी हुयी मुद्रा में थीं, हैट नीचे की तरफ उसकी आँखों के ऊपर था, और ठोड़ी उसकी छाती को छू रही थी, गहनतम चिन्तन में लीन था। अचानक, हालांकि वह चौंका था, उसने मेरे कंधे पर हल्का सा धक्का दिया, और घास के मैदानों की तरफ इशारा किया।

"वहां देखो!" उसने कहा।

एक हल्के ढलान पर भारी मात्रा में टिम्बर के वृक्ष सीधे खड़े थे, जो सबसे ऊंचे शिखरबिंदु पर उपवन में बहुत सघन थे। वहां शाखाओं के बीच से एक बहुत पुरानी हवेली की स्लेटी रंग की त्रिकोणीय छत और छत का ऊँचा मुख्य स्तम्भ बाहर निकला हुआ था।

---

[15] एक तरह की पिस्तौल

[16] पिस्तौल को

“स्ट्रोक मोरैन?” उसने कहा।

“हाँ, सर! वही डॉक्टर ग्रिम्सबाई रॉयलॉट का मकान है।” चालक ने टिप्पणी की।

“वहां कुछ निर्माण कार्य चल रहा है।” होम्स ने कहा, “हम वहीं जा रहे हैं।”

“वहाँ गाँव है।” बायीं तरफ से कुछ दूरी पर स्थित छतों के झुरमुट की ओर संकेत करते हुए चालक बोला, “किन्तु यदि आप घर पहुंचना चाहते हैं तो इस सीढ़ीनुमा मार्ग से होकर, और उसके बाद खेतों के रास्ते वहां जाना आप लोगों को छोटा पड़ेगा। वह वहां है, जहाँ वह महिला टहल रही है।”

“और वह महिला, मेरी समझ से, मिस स्टोनर है।” अपनी आँखों को आड़ देते हुए होम्स ने कहा।

“हाँ, मैं सोचता हूँ कि जैसा तुमने परामर्श दिया है वैसा करना हमारे लिए ठीक होगा।”

हम गाड़ी से उतरे, अपने भाड़े को चुकाया, और वह दोपहिया गाड़ी खड़खड़ाते हुए वापस अपने रास्ते लैदरहेड के लिए चली गयी।

जैसे ही हम सीढ़ीनुमा रास्ते पर चढ़े होम्स ने कहा “मैं सोचता हूँ यह अच्छा होगा कि यह गाड़ी चालक यह समझे कि हम आर्किटेक्ट के रूप में या किसी ख़ास काम से यहाँ आये हैं, तो इससे उसकी अफवाह को विराम लग सकता है। गुड-आफ्टरनून, मिस स्टोनर। तुम देखो कि हम अपनी बात जितने ही दृढ़ हैं।”

सुबह वाली हमारी क्लाइंट अपने चेहरे पर सुस्पष्ट ख़ुशी लिए हुए हमसे मिलने के लिए जल्दी से आगे आयी थी। “मैं बड़ी बेसब्री से आपकी प्रतीक्षा कर रही थी,” हमारे साथ गर्मजोशी से हाथ मिलाते हुए, वह चिल्लायी। “सभी को बहुत अच्छे

तरीके से बाहर भेज दिया गया है। डॉक्टर रॉयलॉट शहर गया है, और यह सम्भव नहीं है कि शाम होने से पहले वह वापस लौट पायेगा।"

"हमें डॉक्टर से जान-पहचान बनाने का सौभाग्य प्राप्त हो चुका है।" होम्स ने कहा, और फिर कुछ ही शब्दों में जो कुछ हुआ था उसने कह सुनाया। जैसे ही मिस स्टोनर ने यह सुना उसका चेहरा डर से सफेद पड़ गया।

"हे ईश्वर!" वह चिल्लायी, "तो, उसने मेरा पीछा किया है।"

"ऐसा ही प्रतीत होता है।"

"वह इतना चालाक है कि, मैं कभी नहीं जान पाती कि कब मैं उससे सुरक्षित हूँ। जब वह वापस आएगा तो (न जाने) क्या कहेगा?"

"उसे खुद को बचाना चाहिए, क्योंकि अब वह पायेगा कि कोई उसके पीछे है जो उससे भी अधिक चालाक है। आज रात उससे बचते हुए तुम स्वयं को कमरे में बंद कर लेना। यदि वह हिंसक होता है, तो हम तुम्हें तुम्हारी मौसी के पास 'हैरो' छोड़ आयेंगे। अब, हमें हमारे समय का सबसे बेहतर उपयोग करना चाहिए, अतः कृपया हमें तुरंत ही उन कमरों में ले चलो जिनका हमें मुआयना करना है।"

धूसर रंग की बिल्डिंग, काई लगे पत्थर से बनी थी, जिसमें एक ऊँचा केन्द्रीय हिस्सा और दोनों ओर बाहर की तरफ फेंके हुए से घुमावदार पार्श्वभाग, केकड़े के पंजे के समान, थे। इन पार्श्वभागों में से एक की खिड़कियाँ टूटी हुयी थीं और जिसे लकड़ी की तख्तियों से जड़ दिया गया था, जबकि छत कुछ हद तक ढह गयी थी, जो देखने में खंडहर दिखती थी। केन्द्रीय भाग कुछ बेहतर हालत में मरम्मत किया हुआ था, किन्तु दाहिनी तरफ का हिस्सा तुलना में नया था और खिड़कियों पर लगे पर्दे तथा चिमनियों से ऊपर की तरफ निकलता गोल-गोल घुमावदार नीला-काला धुआं, दिखाता था कि यह वह जगह थी जहां परिवार रहता था। अंतिम दीवार के सामने कुछ मचान सा खड़ा किया गया था, और इसके भीतर पत्थर की चिनाई टूटी हुयी थी,

किन्तु हमारे दौरे के समय वहां किसी श्रमिक के होने के कोई लक्षण मौजूद नहीं थे। अव्यवस्थित ढंग से कटे लॉन में होम्स धीरे-धीरे आगे-पीछे टहलने लगा और बड़ी सूक्ष्मता से उसने खिड़कियों के बाहरी भागों का निरीक्षण किया।

"मेरे विचार से, यह वह कमरा है, जिसमें तुम सोती थी। बीच वाला तुम्हारी बहन का, और मुख्य बिल्डिंग से अगला वाला डॉक्टर रॉयलॉट का कमरा है?"

"बिलकुल ऐसा ही है, किन्तु अब मैं बीच वाले कमरे में सोती हूँ।"

"जहाँ तक मैं समझता हूँ, मरम्मत के लम्बित काम के कारण। वैसे, उस अंतिम दीवार में मरम्मत की कोई बहुत आवश्यकता तो दिखाई नहीं देती।"

"कोई आवश्यकता नहीं थी। मुझे विश्वास है कि मुझे मेरे कमरे से हटाने के लिए यह एक बहाना था।"

"ओह! यह अप्रत्यक्ष रूप से महसूस करने वाली बात है। अब, इस संकरे हिस्से के दूसरी तरफ से होता हुआ वह गलियारा होगा जिससे होकर यह तीन कमरे खुलते हैं। निश्चित तौर पर, इनमें खिड़कियाँ भी होंगी?"

"हां, लेकिन बहुत ही छोटी। इतनी संकरी कि उनमें से कोई निकल नहीं सकता।"

"जैसा कि तुम दोनों रात को अपने कमरे बंद कर लेती थी, तो उस तरफ से तुम्हारे कमरों में नहीं जाया जा सकता था। अब, क्या तुम अपने कमरे के अंदर जाने और अपने कपाटों को बंद करने की कृपा करोगी?"

मिस स्टोनर ने ऐसा ही किया, और फिर शुरू से अंत तक खुली खिड़की का सूक्ष्म निरीक्षण करने के बाद होम्स ने हर तरीके से जोर लगाकर कपाट को खोलने का प्रयत्न किया, किन्तु सफलता नहीं मिली। इसमें एक संकरी दरार तक न थी जिससे होकर, कपाट की छड़ को उठाने के लिए, चाकू अंदर गुजर सके। फिर उसने अपने

आवर्धक लैंस से कपाटों के कब्जों की जांच की, किन्तु वे ठोस लोहे के बने हुए थे, जिन्हें भारी राजगिरी में दृढ़ता से जड़ा गया था। "हुंम!" कुछ पेचीदगी से अपनी ठुड्डी खुजलाते हुए उसने कहा, "मेरा सिद्धांत निश्चित तौर पर कुछ कठिनाइयां बताता है। इन कपाटों से कोई भी नहीं गुजर सकता यदि ये बंद थे। खैर, हम देखेंगे शायद अंदर से इस मामले में कुछ प्रकाश पड़े।"

किनारे का छोटा दरवाजा उस सफेद पुते गलियारे के भीतर की तरफ जाता था जिसमें से होकर ये तीनों शयनकक्ष खुलते थे। होम्स ने तीसरे कमरे का मुआयना करने से मना कर दिया था, अतः हम तुरंत ही दूसरे वाले कमरे में चले गये, जिसमें अब मिस स्टोनर सोया करती थीं, और जिसमें उसकी बहन अपनी नियति को प्राप्त हुयी थी। यह एक साधारण छोटा कमरा था, जिसकी छत नीचे थी और इसमें एक खुला हुआ फायर-प्लेस था, जैसा कि पुराने देहाती मकानों में होता है। एक कोने में कपड़े रखने की, भूरे रंग की एक आलमारी खड़ी थी, और दूसरे कोने में एक पतला सफेद-पलंगपोश बिस्तर था। खिड़की के बायीं ओर ड्रेसिंग टेबल था। ये चीजें, बेंत की बनी दो छोटी कुर्सियों के साथ कमरे का पूरा फर्नीचर थीं। इसके अतिरिक्त बीच में चौकोर विल्टन कालीन रखा गया था। इर्दगिर्द लगे लकड़ी के बोर्ड और दीवारों का चौखटा भूरे रंग का, कीड़ों द्वारा खायी गयी ओक की लकड़ी का था, और इतना पुराना और बदरंग हो गया था कि सम्भवतः इन्हें तब लगाया गया था जब भवन को मूलतः बनाया गया था। होम्स ने उन कुर्सियों में से एक को कोने में खींचा और चुपचाप उस पर बैठ गया, इस दौरान उसकी आँखें गोल-गोल, ऊपर-नीचे घूमते हुए, उस कमरे का हर एक ब्यौरा ले रही थीं।

"उस घंटे का सम्पर्क कहां तक जाता है?" अंततः उसने घंटा बाँधने वाली एक मोटी रस्सी, जो बिस्तर के समीप ही नीचे लटकी हुयी थी और जिसकी लटकन वास्तव में तकिये के ऊपर पड़ी थी, की तरफ इशारा करते हुए पूछा।

"यह (रस्सी) आया के कमरे तक जाती है।"

“अन्य वस्तुओं की तुलना में यह (घंटा) काफी नया दिखता है?”

“हाँ, इसे वहां कुछ वर्षों पहले ही लटकाया गया था।”

“मेरा अनुमान है, तुम्हारी बहन ने इसके लिए कहा होगा।”

“नहीं, इसका इस्तेमाल करते हुए मैंने उसे कभी नहीं सुना था। हमें जिस वस्तु की आवश्यकता होती थी, हम उसे हमेशा स्वयं ही ले लिया करते थे।”

“वास्तव में, इतने बढ़िया घंटे को वहाँ लटकाना अनावश्यक प्रतीत होता है। कुछ क्षणों के लिए तुम मुझे अकेला छोड़ दोगी इस दौरान मैं इस फर्श के सम्बन्ध में खुद को संतुष्ट कर लूं।”

अपने चेहरे के ऊपर अपने हाथ में लिए आवर्धक लैंस को रखते हुए उसने खुद को नीचे झुकाया और तेजी से आगे-पीछे सरकते हुए, लकड़ी की पट्टियों की बीच की दरारों का बारीकी से मुआयना करने लगा। उसके बाद वैसा ही उसने उस काष्ठ-कर्म के साथ किया जिससे कमरे को मढ़ा गया था। अंततः वह बिस्तर के इर्दगिर्द गया और कुछ समय इसे घूरने में और दीवार को ऊपर-नीचे देखने में अपनी आँख फेरी। आखिरकार उसने घंटे की रस्सी अपने हाथ में पकड़ी और फुर्ती से इसे झटके के साथ खींचा।

“अरे, यह तो दिखावटी है।” उसने कहा।

“क्या यह बज नहीं सकती?”

“नहीं, यहाँ तक कि यह (रस्सी) घंटे में लगने वाली किसी धातु की छड़ से भी नहीं जुड़ी है। यह बहुत ही रोचक है। अब तुम देख सकती हो कि यह (रस्सी) एक हुक से बंधी हुयी है जिसके ठीक ऊपर उस रोशनदान के लिए छोटा सा खुला हुआ छेद है।”

“मैं कितनी मूर्ख हूँ! इस पर पहले कभी मैंने गौर नहीं किया था।”

“बहुत ही विचित्र है!” रस्सी खींचते हुये होम्स बड़बड़ाया “इस कमरे के बारे में एक या दो बातें बहुत ही असामान्य हैं। उदाहरण के लिये - एक वास्तुकार कितना मूर्ख होगा जो दूसरे अन्य कमरे में रोशनदान खोलता है, जब कि उसी समस्या (का निपटारा) वह बाहरी हवा के भीतर आने के लिए रोशनदान बनाकर कर सकता था!”

“यह भी एक नई बात है।” उस महिला ने कहा।

“यह उसी समय किया गया होगा जब घंटे की रस्सी लटकाई गयी होगी।” होम्स ने टिप्पणी की।

“हाँ, उस समय कई प्रकार के छोटे मोटे परिवर्तन किये गये थे।”

“ये बहुत ही विचित्र बातें लगती हैं– दिखावटी घंटे की रस्सियाँ, और रोशनदान जिससे हवा नहीं आती। मिस स्टोनर! तुम्हारी इजाजत से, अब हम अंदर के कमरे में अपना अनुसन्धान करेंगे।”

डॉक्टर ग्रिम्सबाई रॉयलॉट का कमरा उसकी सौतेली पुत्री के कमरे से बड़ा था, किन्तु उतनी ही सादगी से सुसज्जित था। एक सफरी-पलंग, काठ की बनी एक छोटी शेल्फ जो किताबों से भरी थी, जिसमें ज्यादातर किताबें तकनीकी सम्बन्धी थी, पलंग के पास पड़ी एक आरामकुर्सी, दीवार से लगी लकड़ी की एक साधारण कुर्सी, एक गोल मेज, और लोहे की एक बड़ी आलमारी, ये ही वे मुख्य वस्तुएं थी जो दृष्टिगोचर होती थी। होम्स (कमरे का) फेरा लगाते हुए धीरे-धीरे टहला और बहुत ही दिलचस्पी से रुचि लेते हुए उसने हर एक (चीज) का और उन सब (चीजों) का मुआयना किया।

“यहाँ इसमें क्या है?” आलमारी को ठकठकाते हुए उसने पूछा।

“मेरे सौतेले पिता के व्यावसायिक कागजात।”

“ओह! तब, तुमने इसके अंदर देखा है?”

“केवल एक बार, कुछ वर्षों पहले। मुझे याद है कि यह कागजातों से भरी पड़ी थी।”

“उदाहरण के लिए, इसमें कोई बिल्ली तो नहीं है?”

“नहीं, कैसा विचित्र विचार है!”

“खैर, इसे देखो!” उसने दूध की एक छोटी तश्तरी उठायी जो इस पर सबसे ऊपर खड़ी हुयी स्थिति में रखी थी।

“नहीं, हम बिल्ली नहीं पालते, किन्तु एक चीता और एक बबून है।”

“अरे हाँ, निश्चित ही! खैर, चीता भी एक बड़ी बिल्ली है, और मेरी राय में सम्भवतः एक तश्तरी दूध से इसकी जरूरतें बहुत अधिक तृप्त नहीं की जा सकती। एक बिंदु है जिसे मैं तय करना चाहूंगा।” वह लकड़ी की कुर्सी के सामने पालथी मार कर बैठ गया और इसकी[17] बैठक की बड़े ध्यान से जांच की।

“धन्यवाद। अब यह तय हो गया है।” उठते हुए और आवर्धक लैंस को अपनी जेब में रखते हुए उसने कहा, “हेलो! यहाँ कोई रोचक वस्तु है।”

वह चीज, जिसने उसका ध्यान आकर्षित किया था, एक छोटा चाबुक था जो पलंग के कोने पर लटका था। हालांकि यह चाबुक मुड़ा हुआ था और ऐसे बाँधा गया था जिससे व्हिप-कॉर्ड[18] के एक फंदे की आकृति बनाई जा सके।

---

[17] कुर्सी की

[18] मजबूत सूती या ऊनी कपड़ा, जिसका इस्तेमाल ज्यादातर घुड़सवारी आदि में इस्तेमाल होने वाले पैंट बनाने में किया जाता है।

“इससे तुमने क्या निष्कर्ष निकाला, वाटसन?”

“यह एक बहुत ही साधारण चाबुक है। किन्तु मैं यह नहीं जानता कि इसे क्यों बाँधा गया होगा?”

“यह बात इतनी भी साधारण नहीं है, क्या है? ओह मैं! यह एक दुष्ट दुनिया है, और जब एक होशियार आदमी अपने दिमाग को अपराध करने के लिए लगाता है तो यह सबसे बुरा होता है। मिस स्टोनर, मैं सोचता हूँ कि मैंने काफी मुआयना कर लिया है, और अब तुम्हारी अनुमति से हम लॉन में चलेंगे।”

मैंने अपने मित्र के चेहरे को कभी इतना गंभीर या उसके मस्तक पर इतना बल पड़ते नहीं देखा था जैसा कि यह उस समय था जब हम इस जांच के दृश्य स्थल से लौटे थे। हम लॉन में कई बार यहाँ-वहां टहले थे, न ही मिस स्टोनर और न ही मैं, उसके चिन्तन में खलल डालने के पक्ष में थे जब तक कि वह स्वयं ही अपनी कल्पना से जाग न जाए।

“यह बेहद जरूरी है, मिस स्टोनर” उसने कहा, “कि हर तरह से तुम मेरी सलाह पूर्णतया मानो।”

“मैं निश्चित तौर पर ऐसा ही करूंगी।”

“किसी (किस्म की) हिचकिचाहट के लिए मामला अतिगम्भीर है। तुम्हारा जीवन तुम्हारे अनुपालन पर निर्भर कर सकता है।”

“मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ कि मैं आपके हाथों में हूँ।”

“पहली बात –मुझे और मेरे मित्र, हम दोनों को तुम्हारे कमरे में रात बितानी होगी।”

मिस स्टोनर और मैं, हम दोनों ने ही आश्चर्य से उसे घूरा।

“हाँ, ऐसा ही करना होगा। मुझे समझाने दो। मैं यकीन करता हूँ कि वहां उस जगह, वह गाँव की सराय है?”

“हाँ, वह ‘क्राउन’ है।”

“बहुत अच्छा, वहां से तुम्हारी खिड़कियाँ दिखायी देती होंगी?”

“निश्चित रूप से।”

“जब तुम्हारा सौतेला पिता वापस आये, तो सिरदर्द का दिखावा कर तुम खुद को अपने कमरे में जरूर बंद कर लेना। फिर जब तुम उसे रात (में सोने) के लिए अपने कमरे में जाते हुए सुनो, तब तुम अपनी खिड़की के कपाटों को अवश्य खोल देना, कुण्डी खोल देना, वहां अपने लैंप को हमारे लिए संकेत के रूप में रख देना, और फिर हर एक चीज जिसकी तुम्हें आवश्यकता पड़ सकती है उसे लेकर चुपचाप उस कमरे में चली जाना जिसे रहने के लिए तुम उपयोग करती थी। मुझे संदेह नहीं है कि, मरम्मत के काम के बावजूद, तुम एक रात के लिए वहां रह सकती हो।”

“ओह, हाँ, निस्संदेह।”

“शेष बातें तुम हमारे हाथों में छोड़ दोगी।”

“लेकिन आप करेंगे क्या?”

“हम तुम्हारे कमरे में रात बितायेंगे, और इस आवाज के होने के कारण की जांच करेंगे जिसने तुम्हें व्यथित कर रखा है।”

“मुझे यकीन है, मिस्टर होम्स, आप पहले ही अपना मन बना चुके हैं।” मेरे साथी की बांह पर अपना हाथ रखते हुए मिस स्टोनर ने कहा।

“सम्भवतः बना लिया है।”

“तब, भगवान के लिए, मुझे बताएं कि मेरी बहन की मृत्यु का कारण क्या था?”

“बोलने से पहले मैं स्पष्ट प्रमाणों को प्राप्त करना पसंद करूंगा।”

“कम-से-कम आप इतना तो बता सकते हैं कि क्या मेरी आशंका सही है, और क्या वह किसी अचानक हुए भय से मरी थी।”

“नहीं, मैं ऐसा नहीं सोचता। मैं सोचता हूँ कि सम्भवतः कुछ और ही इन्द्रियगोचर कारण था। और अब, मिस स्टोनर, हमें तुमको छोड़कर निकलना चाहिए, क्योंकि यदि डॉक्टर रॉयलॉट लौट आता है और हमें देख लेता है, तो हमारी यात्रा व्यर्थ हो जायेगी। अलविदा, और हिम्मत रखना; क्योंकि यदि तुम वह करोगी जो मैंने तुमसे कहा है तो तुम इस बात के लिए निश्चिन्त हो सकती हो कि हम जल्द ही तुम्हें उन खतरों से निजात दिला देंगे जिन्होंने तुम्हें आशंकित कर रखा है।”

‘क्राउन’ सराय में हमें एक शयनकक्ष और बैठक कक्ष की व्यवस्था करने में कोई कठिनाई नहीं हुयी थी। वे ऊपरी तल पर स्थित थे, और हमारी खिड़की से हम पेड़दार पथ के प्रवेश द्वार, और स्ट्रोक मोरैन की विशाल कोठी के उस हिस्से जिसमें निवास किया जाता था, पर पहरा दे सकते थे। गोधूलि होने पर हमने डॉक्टर ग्रिम्सबाई रॉयलॉट को जाते हुए देखा, उसकी अस्पष्ट विशाल आकृति के बगल में एक लड़के की छोटी आकृति भी थी जो उसे गाड़ी में ले जा रहा था। लड़के को लोहे के भारी दरवाजों को खोलने में थोड़ी कठिनाई हुयी थी, और हमने डॉक्टर की आवाज की कर्कश दहाड़ को सुना था और गुस्से में उस लड़के पर भिंचे हुये उसके घूंसे को देखा था। वह दो पहिया गाड़ी चली गयी, और कुछ ही मिनटों के बाद अचानक ही हमें वृक्षों के बीच से एकाएक रोशनी आती हुयी दिखाई दी मानो लैंप को बैठक वाले कमरों में से किसी एक में जलाया गया था।

“क्या तुम जानते हो, वाटसन।” जब अँधेरा होने पर हम साथ बैठे हुए थे तब होम्स ने कहा, “वास्तव में आज रात तुम्हें साथ ले जाने के सम्बन्ध में मुझे कुछ झिझक महसूस हो रही है। वहां एक सुस्पष्ट खतरे के लक्षण मौजूद हैं।”

“क्या मैं सहायता के लिए चल सकता हूँ?”

“तुम्हारी उपस्थिति उपयोगी सिद्ध हो सकती है।”

“तब मैं अवश्य चलूँगा।”

“यह तुम्हारी बहुत बड़ी मेहरबानी है।”

“तुम खतरे को स्पष्ट करो। इन कमरों में स्पष्ट रूप से तुमने उससे ज्यादा ही देखा है जितना मुझे दिखा था।”

“नहीं, किन्तु मेरा सोचना है कि मैं थोड़ा अधिक निष्कर्ष निकाल सकता हूँ। मेरा अनुमान है कि तुमने भी वह सब देखा था जिसे मैंने देखा था।”

“मैंने उस घंटे की रस्सी के सिवाय और कुछ गौर करने योग्य नहीं देखा था, और यह किस उद्देश्य हेतु लगाई गयी थी, मैं स्वीकारता हूँ कि यह बात मेरी कल्पना के परे है।”

“तुमने रोशनदान भी तो देखा था?”

“हाँ, लेकिन मैं नहीं सोचता कि दो कमरों के बीच एक छोटे छेद का होना इतनी अधिक असाधारण बात है। यह इतना छोटा था कि मुश्किल से एक चूहा भी इससे निकल सके।”

“स्ट्रोक मोरैन आने से पहले ही मैं जानता था कि हम एक रोशनदान पायेंगे।”

“मेरे प्यारे होम्स!”

"ओह, हाँ, मैं जानता था। तुम याद करो उसने अपने कथन में कहा था कि उसकी बहन डॉक्टर रॉयलॉट के सिगार की गंध सूंघ सकती थी। अब, निश्चित तौर पर यह बात तुरंत ही सुझाती थी कि दोनों कमरों के बीच में एक सम्पर्क-संचार जरूर होना चाहिए। यह सम्पर्क छोटा ही हो सकता था, अन्यथा इसका जिक्र कॉरोनर की जांच-रिपोर्ट में होता। मैंने एक रोशनदान होने का निष्कर्ष निकाला था।"

"परन्तु ऐसा होने से वहां क्या अनिष्ट हो सकता है?"

"अच्छा, कम से कम तारीखों का एक अजीब संयोग है। एक रोशनदान बनाया गया, एक रस्सी लटकाई गयी, और एक औरत जो बिस्तर पर सोती है मर जाती है। क्या यह बात तुम्हें नहीं खटकी?"

"मैं अभी तक इसमें कोई सम्बन्ध नहीं देख सकता हूँ।"

"क्या तुमने उस पलंग के बारे में कोई बहुत ही विशेष बात गौर की थी?"

"यह फर्श पर कसा हुआ था। क्या पहले कभी तुमने, इस प्रकार से फर्श से जड़ा हुआ पलंग देखा था?"

"मैं कह नहीं सकता कि मैंने देखा है।"

"वह औरत अपना पलंग खिसका नहीं सकती थी। यह हमेशा रस्सी और रोशनदान की उसी सापेक्ष स्थिति में रहा होगा – या लगभग रहा होगा ऐसा हम कह सकते हैं, क्योंकि स्पष्ट रूप से इसे कभी भी रस्सी खींचने के लिए नहीं जड़ा गया था।"

"होम्स!" मैं चीखा, "मैं धुंधले तौर पर देख पा रहा हूँ कि तुम किस चीज पर इशारा कर रहे हो। हम बिलकुल ठीक समय पर किसी संकरे और भयानक अपराध को रोकने के लिए पहुंचे हैं।"

“पर्याप्त रूप से संकरे और पर्याप्त रूप से भयानक। जब कोई डॉक्टर अपराध करने पर उतारू होता है तो वह अपराधियों में नम्बर एक होता है। उसके पास बुद्धि होती है और उसके पास ज्ञान होता है। पाल्मर और प्रित्चार्ड[19] दोनों ही अपने पेशे में श्रेष्ठ थे। यह व्यक्ति ज्यादा ही हैरान करने वाला है, लेकिन मैं सोचता हूँ, वाटसन, कि हम अभी भी उससे ज्यादा हैरान कर पायेंगे। लेकिन रात के बीतने से पहले हमें पर्याप्त भय का सामना करना पड़ेगा; भगवान के लिए, सब ठीक-ठाक हो इसके लिए हम शांत होकर एक पाइप पीते हैं और कुछ घंटों के लिए अपने दिमाग को किसी ज्यादा सुखद चीज में लगाते हैं।”

नौ बजे के लगभग वृक्षों के बीच से आता हुआ प्रकाश बुझ गया था, और उस विशाल कोठी की दिशा में पूरी तरह से अँधेरा था। धीरे-धीरे करके दो घंटे बीत गये, और फिर, अचानक, ग्यारह बजे का घंटा बजते ही, एक इकलौती तेज रोशनी ठीक हमारे सामने चमक उठी।

“यह हमारे लिए संकेत है,” अपने पांवों पर उछलते हुए होम्स ने कहा; “यह बीच वाली खिड़की से आ रही है।”

जैसे ही हम बाहर आये उसने सराय-मालिक से कुछ बात की, उसे समझाया कि हम अपने एक परिचित से देरी से मिलने जा रहे थे, और यह कि सम्भव था कि हम रात वहीं बितायें। एक क्षण बाद हम बाहर अँधेरी सड़क पर थे, ठण्डी हवा हमारे चेहरों से होकर बह रही थी, और हमारे सामने अन्धकार से होकर गुजरती हुयी एक टिमटिमाती पीली रोशनी हमें हमारे उदासीपूर्ण लक्ष्य की दिशा का बोध करा रही थी।

---

[19] पाल्मर और प्रित्चार्ड, दोनों पेशे से डॉक्टर थे। विलियम पाल्मर ने अपने एक दोस्त को जहर देकर मारा था जबकि एडवर्ड प्रित्चार्ड ने अपनी पत्नी और सास को जहर देकर मारा था। इन दोनों डॉक्टरों को उनके इस अपराध के लिए फांसी की सज़ा दी गयी थी।

अहाते में प्रवेश करने में थोड़ी परेशानी थी, क्योंकि बिना मरम्मत हुयी दरारें पुराने उद्यान की दीवार में मुंह बाये खड़ी थी। अपना रास्ता पेड़ों के बीच से बनाते हुए, हम लॉन में पहुंचे, इसे पार किया, और हम खिड़की से होकर प्रवेश करने ही वाले थे कि पुन्नाग की झाड़ियों का एक गुच्छा वहां से टकराते हुए निकल गया जो ऐसा प्रतीत हुआ मानो एक डरावना और विकृत बच्चा हो, जिसने दूर जाते हुए खुद को घास पर फेंका हो और फिर तेजी से लॉन से होता हुआ अँधेरे में चला गया।

"हे भगवान!" मैं फुसफुसाया, "क्या तुमने इसे देखा था?"

एक क्षण के लिए होम्स भी उतना ही चौंका था जितना मैं। अकुलाहट में उसका हाथ शिकंजे की तरह मेरी कलाई के ऊपर कसकर बंद हो गया था। फिर धीमे स्वर में वह हंसा और अपने होंठों को (उसने) मेरे कान से लगा दिया।

"यह एक बढ़िया घरेलू जीव है।" उसने धीरे से कहा, "वह बबून है।"

मैं उन विचित्र पालतुओं को भूल गया था जिन्होंने डॉक्टर को प्रभावित किया था। जिनमें एक चीता भी था; सम्भवतः जिसे किसी क्षण हम अपने कंधों पर पाते। मैं स्वीकार करता हूँ कि मुझे मेरे दिमाग में सहजता का अहसास तब हुआ था जब होम्स का अनुसरण करने और अपने जूतों को उतारने के बाद मैंने खुद को शयनकक्ष के भीतर पाया था। मेरे साथी ने बिना आवाज किये कपाटों को बंद किया, लैंप को मेज पर रख दिया, और अपनी नजरें कमरे के चारों तरफ दौड़ाई। सब कुछ वैसा ही था जैसा हमने इसे दिन के समय देखा था। फिर मेरी तरफ सरकते हुए और अपने हाथ से तुरही बनाते हुए, वह एक बार फिर से मेरे कान में इतने धीमे से फुसफुसाया कि उसने क्या शब्द कहे मैं केवल यही अंतर कर सकता था।

"हल्की-सी भी आवाज हमारी योजनाओं के लिए घातक होगी।"

यह जताने के लिए कि मैंने सुन लिया था मैंने हामी में सिर हिलाया।

“हमें बिना रोशनी के ही बैठना होगा। वह इसे[20] रोशनदान से देख सकता है।” मैंने पुनः हामी में सिर हिलाया।

“सो मत जाना; तुम्हारी अनमोल जिन्दगी इस बात पर निर्भर हो सकती है[21]। अपनी पिस्तौल उस स्थिति के लिए तैयार रखना जब हमें इसकी आवश्यकता हो। मैं पलंग के किनारे बैठूंगा और तुम उस कुर्सी पर।”

मैंने अपनी रिवाल्वर बाहर निकाल ली और इसे मेज के एक कोने पर रख दिया।

होम्स एक लम्बी पतली बेंत ले आया था, और इसे उसने पलंग पर अपने समीप रख दिया। इसके समीप ही उसने माचिस के एक डिब्बे तथा मोमबत्ती के एक टुकड़े को (भी) रख दिया। फिर उसने लैंप बुझा दिया, और अब हम अँधेरे में थे।

मैं कैसे कभी उस भयावह रात को भूल पाऊंगा? मैं कोई आवाज नहीं सुन सकता था, यहाँ तक कि साँस लिए जाने की भी, पर फिर भी मैं जानता था कि मेरा साथी, मुझसे कुछ फीट की दूरी पर उसी तरह के मानसिक दबाव में जिसमें मैं खुद था, आँख खोले बैठा था। कपाटों ने बहुत ही कम रोशनी का आना भी रोक दिया था, और हम पूर्ण अन्धकार में प्रतीक्षारत थे। कभी-कभी एक रात्रिचर-पक्षी की चीं-चीं की आवाज बाहर से आ जाती थी, और एक बार ठीक हमारी खिड़की पर एक बिल्ली के चीखने जैसी लम्बी आवाज हुयी थी, जिसने हमें बताया कि चीता वाकई में स्वतंत्र था। दूर कहीं से हम एक चर्च के घंटे की गहरी तान को सुन सकते थे, जो हर पन्द्रह मिनट पर गुंजायमान होती थी। वे पन्द्रह मिनट कितने लम्बे प्रतीत होते थे! बारह बजे;

---

[20] रोशनी को

[21] अर्थात तुम्हारा जीवन तुम्हारे जागने पर निर्भर कर सकता है।

और फिर एक, दो और तीन बजे का घंटा बजा, और अभी भी हम चुपचाप बैठे, जो कुछ भी घटित हो सकता था उसका, इन्तजार कर रहे थे।

अचानक ही रोशनदान की दिशा में एक क्षण के लिए एक रोशनी चमकी थी, जो तुरंत ही ओझल हो गयी, किन्तु इसके पश्चात जलते तेल और गर्म धातु की तेज गंध आने लगी थी। अगले वाले कमरे में किसी ने एक अँधेरी-लालटेन जलाई थी। मुझे चलने की एक धीमी आवाज सुनाई दी थी, और एक बार फिर से सब कुछ शांत हो गया था, हालांकि गंध और अधिक तेज हो गयी थी। आधे घंटे तक मैं अपने कान खड़े किये बैठा रहा। फिर अचानक ही एक अन्य ध्वनि सुनाई दी– एक अत्यंत धीमी, शान्तिदायक ध्वनि, जैसे केतली से भाप की एक छोटी धारा अनवरत निकल रही हो। जिस क्षण हमने इसे सुना था, होम्स पलंग से उछल पड़ा, उसने माचिस की एक तीली जलाई, और घंटे की रस्सी पर अपनी बेंत को पागलों की तरह पटकने लगा।

“वाटसन, तुम इसे देखो?” वह चिल्लाया, “तुम इसे देखो?”

किन्तु मुझे कुछ नहीं दिखा। उस क्षण जब होम्स ने माचिस की तीली जलाई थी मैंने एक धीमी, स्पष्ट सीटी की आवाज सुनी थी, किन्तु मेरी थकी आँखों में अचानक चमकी रोशनी ने मेरे लिए यह बताना असम्भव कर दिया था कि वह क्या था जिस पर मेरे मित्र ने इतनी बुरी तरह से बेंत पटकी थी। फिर भी, मैं देख सकता था कि उसका चेहरा अत्यधिक सफेद पड़ गया था और भय तथा घृणा के भाव से भरा हुआ था।

उसने बेंत पटकना बंद कर दिया और ऊपर रोशनदान की ओर टकटकी लगाये देख रहा था, तभी रात के सन्नाटे में अचानक ही एक अत्यधिक डरावनी चीख गूंज उठी, जिसे शायद ही पहले कभी मैंने सुना हो। यह बढ़कर तेज और तेज हो गयी थी। पीड़ा, भय और क्रोध की एक कर्कश चिल्लाहट जो मिलकर एक भयावह चीख में तबदील हो गयी थी। वे कहते हैं कि दूर नीचे गाँव में, और यहाँ तक कि दूर स्थित पादरी के निवासस्थान तक, उस चीख ने सोते हुए लोगों को उनके बिस्तरों से उठा दिया था। इसने हमारे दिलों को कंपा दिया था, और मैं खड़ा होम्स को और वह मुझे

घूर रहा था जब तक कि इसकी आखिरी प्रतिध्वनियाँ उस सन्नाटे में विलीन नहीं हो गयीं जिससे ये पैदा हुयी थीं।

“इसका क्या मतलब हो सकता है?” गहरी सांस लेते हुए मैंने पूछा।

“इसका तात्पर्य है कि खेल खत्म हो गया,” होम्स ने उत्तर दिया। “और सम्भवतः, आखिरकार, यह अच्छी नीयत से हुआ है। अपनी पिस्तौल ले लो, और अब हम डॉक्टर रॉयलॉट के कमरे में प्रवेश करेंगे।”

एक गम्भीर मुखमुद्रा से उसने लैंप जलाया और दक्षिणोन्मुख रास्ते से गलियारे की तरफ आगे बढ़ा। उसने कक्ष के दरवाजे को दो बार खटखटाया था जिसके भीतर से किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं आई। फिर उसने हैंडल को घुमाया और प्रवेश किया, मैं अपने हाथ में पिस्तौल ताने हुए उसके पीछे था।

यह एक असामान्य दृश्य था जिसे हमारी आँखों ने देखा था। मेज पर एक अँधेरी-लालटेन थी जिसका कपाट आधा खुला था, जो रोशनी की एक शानदार किरण लोहे की आलमारी पर फेंक रही थी, आलमारी का दरवाजा अधखुली स्थिति में था। इस मेज के समीप, लकड़ी की कुर्सी पर, डॉक्टर ग्रिम्सबाई रॉयलॉट, एक लम्बे स्लेटी ड्रेसिंग गाउन में लिपटा हुआ था, उसके नग्न टखने नीचे की तरफ बाहर निकले थे, और उसके पैर लाल रंग के एड़ी रहित तुर्की हवाई चप्पलों में ठेले हुये थे। उसकी गोद में, एक कोने से दूसरे कोने तक जाता हुआ, एक छोटे कुंदे वाला लम्बा चाबुक पड़ा था जिसे दिन के समय में हम लोग पहले ही देख चुके थे। उसकी ठुड्डी ऊपर की तरफ आधी खुली हुयी अवस्था में थी और उसकी आँखें भयावह ढंग से स्थिर थीं, जो जड़वत होकर छत के कोने को घूर रही थी। उसके माथे को घेरे हुए एक विशिष्ट पीले रंग की पट्टी लिपटी थी, जिस पर भूरे रंग के धब्बे बने थे, जो देखने से ऐसे प्रतीत होती थी मानों उसके सिर के इर्दगिर्द कसकर बाँधी गयी हो। जब हमने प्रवेश किया था तब न ही उसने आवाज की थी और न ही वह हिला था।

“पट्टी! चित्तीदार पट्टी!” होम्स फुसफुसाया।

मैंने एक कदम आगे बढ़ाया। तुरंत ही उसके विचित्र शिरोवस्त्र ने सरकना प्रारम्भ कर दिया, और उसके बालों से इसने स्वयं को एक ऊँचाई तक उठाया, यह चिपटे हीरे जैसी आकृति के सिर वाला और फूली हुयी गर्दन वाला, एक दहलाने वाला सांप था।

“यह दलदल में रहने वाला जहरीला सांप है!” होम्स चिल्लाया, “भारत का सर्वाधिक जहरीला सांप। काटे जाने के बाद दस सेकेण्ड के भीतर ही वह मर गया होगा। सत्य है, हिंसा हिंसा करने वाले पर ही वापस चोट करती है, और दूसरे के लिए गड्ढा खोदने वाला स्वयं उसमें गिरता है। हमें इस जीव को वापस इसकी जगह के भीतर ठेल देना चाहिए, और फिर हम मिस स्टोनर को किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचा सकते हैं और स्थानीय पुलिस को बताते हैं कि क्या घटित हुआ है।”

अपनी बात कहते हुए उसने मृत व्यक्ति की गोद से चाबुक को फुर्ती से उठाया और सांप के गले में फंदा फेंकते हुए उसने इसे इसके डरावने ऊंचे स्थान से खींचा, और एक हाथ की दूरी से इसे उठाते हुए, इसे लोहे की आलमारी में फेंक दिया, जिसे[22] उसने इसके[23] अंदर बंद कर दिया।

स्ट्रोक मौरैन के डॉक्टर ग्रिम्सबाई रॉयलॉट की मृत्यु के वास्तविक तथ्य ऐसे हैं। यह आवश्यक नहीं है कि मैं उस विवरण को लम्बा खींचूं जिसका ब्यौरा पहले से ही काफी लम्बा खिंच चुका है कि कैसे हमने यह दुःखद समाचार उस भयभीत लड़की को बताया था, कैसे हम उसकी देखभाल के लिए उसे सुबह की गाड़ी से उसकी अच्छी मौसी के पास ‘हैरो’ ले गये थे, कैसे आधिकारिक जांच की धीमी प्रक्रिया अपने निष्कर्ष तक पहुंची थी कि डॉक्टर अपनी नियति से उस दौरान मिला जब वह

[22] सांप को

[23] आलमारी के

अविवेकपूर्ण ढंग से अपने खतरनाक पालतू के साथ खेल रहा था। मामले के विषय में जो थोड़ा कुछ जानना अभी मुझे बाकी था वह शरलॉक होम्स ने अगले दिन लौटते समय मुझे बताया।

उसने कहा, “मेरे प्यारे वाटसन, मैं पूरी तरह से एक गलत निष्कर्ष पर पहुंचा था जो दर्शाता है, कि अपर्याप्त आंकड़ों से राय कायम करना हमेशा कितना खतरनाक होता है। खानाबदोशों की उपस्थिति, और ‘पट्टी’ शब्द का प्रयोग, जिसे उस बेचारी लड़की ने कहा था, निस्संदेह उस चीज की वाह्य-आकृति को स्पष्ट करने के लिए था जिसकी हल्की तुरत-फुरत झलक को उसने अपनी माचिस की तीली की रोशनी में देखा था। ये ऐसे तथ्य थे जो मुझे पूरी तरह से गलत दिशा में गुमराह करने के लिए पर्याप्त थे। मैं केवल इस बात का दावा कर सकता हूँ कि मैंने तुरंत ही अपनी स्थिति पर पुनर्विचार किया, फिर, जब यह बात मुझे स्पष्ट हो गयी कि इस कमरे में रहने वाले व्यक्ति को जिस भी खतरे की आशंका रही हो वह खतरा खिड़की या दरवाजे से नहीं आ सकता था। तो मेरा ध्यान तेजी से, जैसा कि मैंने पहले ही तुमसे कहा है, इस रोशनदान और बिस्तर पर नीचे की ओर लटकी हुयी घंटे की रस्सी, की तरफ आकृष्ट हुआ था। यह खोज कि यह दिखावटी थी, और यह कि बिस्तर को जमीन से जड़ा गया था, तुरंत ही (मेरे मन में) यह शक उठा कि रस्सी वहां एक पुल की तरह थी जो किसी चीज के उस सुराग से होकर बिस्तर तक आने का जरिया थी। तुरंत ही एक सांप के होने का विचार मेरे मन में आया था, और जब मैंने इस तथ्य को अपनी इस जानकारी से जोड़ा कि डॉक्टर को भारत से विभिन्न प्रकार के जीवों की आपूर्ति की गयी थी। एक किस्म के जहर, जिसका आसानी से किसी भी रासायनिक परीक्षण के जरिये खोजा जा सकना सम्भव नहीं था, को उपयोग में लाये जाने का विचार ही एकमात्र ऐसी चीज थी जो एक चालाक और निर्दयी व्यक्ति, जिसने पूर्वी प्रशिक्षण ले रखा था, को सूझ सकती थी। उसके नजरिये से, जिस तेजी से ऐसा जहर प्रभाव दिखा सकता था, यह बात भी उसके लिए लाभदायक हो सकती थी। वास्तव में, यह कोई पैनी नजरों वाला कॉरोनर ही होगा जो उन दोनों छोटे गहरे छिद्रों को देख सकता था जो दिखाते कि किस जगह पर जहरीले दांतों ने अपना काम कर दिया था। उसके बाद

मैंने सीटी के बारे में सोचा। निश्चय ही उसके शिकार के लिए सुबह की रोशनी हो, उससे पहले ही वह सांप को वापस बुलाता। उसने इसे[24] प्रशिक्षित किया, सम्भवतः दूध के इस्तेमाल के जरिये जिसे हमने देखा था, कि वह उस समय वापस उसके पास लौट आये जब वह उसे पुकारे। वह इसे रोशनदान के जरिये उस समय, जिसे वह सबसे ज्यादा उपयुक्त समझता था, इस निश्चितता के साथ भेजता था कि यह रस्सी के सहारे नीचे सरके और बिस्तर पर उतरे। यह कमरे में रहने वाले व्यक्ति को काट भी सकता था और नहीं भी, शायद वह हर रात एक सप्ताह तक बचती रही, लेकिन देर-सबेर उसे शिकार बनना ही था।

"उसके कमरे में दाखिल होने से, काफी पहले ही मैं इन निष्कर्षों पर पहुँच चुका था। उसकी कुर्सी के निरीक्षण ने मुझे दिखाया कि वह इस पर खड़ा हुआ करता था, जो निश्चित रूप से लाज़मी होगा उसके रोशनदान तक पहुंचने के लिए। आलमारी, दूध की तश्तरी, और व्हिपकार्ड के फंदे का दिखाई देना किसी किस्म के संदेह, जो हो सकता था, को दूर करने के लिए अंततः पर्याप्त थे। मिस स्टोनर द्वारा सुनी जाने वाली धातु के खनकने की आवाज, स्वाभाविक रूप से उसके सौतेले पिता द्वारा जल्दबाजी में आलमारी के खतरनाक निवासी[25] को उसमें बन्द करने के कारण (पैदा हुयी आवाज से) हुयी थी। एक बार अपने दिमाग को तैयार कर लेने के बाद, मामले को साबित करने के लिए मैंने जो कदम उठाये थे तुम उसके बारे में जानते ही हो। जैसे ही मैंने उस जीव की आवाज सुनी थी, मुझे कोई शक नहीं है कि तुमने भी सुनी थी, और फिर तुरंत ही मैंने माचिस जलाई और इस पर हमला किया।

"जिसके परिणामस्वरूप यह रोशनदान से होकर लौटने लगा।"

---

[24] सांप को

[25] सांप

"और ऐसा करने के कारण यह भी हुआ कि, यह दूसरी ओर अपने मालिक की तरफ मुड़ गया। मेरी बेंत की कुछ चोटों ने उसके सांप होने के अहसास को जगा दिया और उसकी सर्प प्रवृत्ति को भड़का दिया; ताकि यह उस व्यक्ति पर टूट पड़े जो इसे सबसे पहले दिखाई दे। इस तरह से निस्संदेह अप्रत्यक्षतः मैं डॉक्टर ग्रिम्सबाई रॉयलॉट की मृत्यु के लिए उत्तरदायी हूँ, और मैं कह नहीं सकता कि सम्भवतः इससे मेरी अंतरात्मा पर कोई भारी बोझ पड़ सकता है।"

~समाप्त~